Harmful effects on vegetation and increase in pollution due to burning of stubbles in fields

श्री राम कुमार कश्यप (हरियाणा): सर, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहूंगा कि देश में राष्ट्रीय, राजकीय व अन्य मार्गों पर आग से बहुत सी छोटी-छोटी घटनाएं हो रही हैं, जिनके कारण हमारे आसपास का वातावरण तो दूषित हो ही रहा है, इसके साथ-साथ सड़कों के साथ जो पेड़-पौधे लगे हैं, इनका और वनस्पति का बहुत नुकसान हो रहा है। यह एक बहुत ही चिंता का विषय है। आग लगने के कई कारण हो सकते हैं, जिनकी तरफ ध्यान देने की जरूरत है। प्रायः खेतों में गेहूं व धान के अवशेषों को जलाने के लिए आग लगा दी जाती है। चिंता इस बात की नहीं है कि खेतों में आग लगाने से खेतों की उर्वरा शक्ति कम हो जाती है, बल्कि चिंता इस बात को लेकर है कि जब अवशेषों को जलाने के लिए खेतों में आग लगा दी जाती है, तो यह आग सड़कों के पास पहुंच जाती है। यह आग सड़कों के आसपास पेड़-पौधों व वनस्पतियों को जलाने का काम करती है। इस प्रकार की घटनाएं प्रायः NH1 पर देखी जा सकती हैं। आग लगने के कारण चारों ओर धुंआ ही धुआं हो जाता है और धुआं नागरिकों के स्वास्थ्य को भी कई प्रकार से नुकसान पहुंचाता है। सरकार की तरफ से इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए कोई पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। उनके पास न ही कोई हेल्पलाइन नंबर है, जिस पर आग बुझाने की सूचना दी जा सके। कई बार तो आग की इन छोटी-छोटी घटनाओं से जानी नुकसान भी हो जाता है। पिछले दिनों हरियाणा के ज़िला पानीपत में एक ऐसी ही घटना घटी, जिसके कारण धुएँ में फंसे माँ-बेटा जिंदा जल गए। सीक गांव का रहने वाला, 11वीं कक्षा में पढ़ने वाला शौकीन नाम का एक लड़का अपनी माँ सीमा के साथ, अपनी स्कूल की किताबें खरीदने के लिए शहर गया हुआ था। किताबें खरीदने के बाद शाम चार बजे, जब शहर से गाँव की तरफ बाइक पर लौट रहा था, तो रास्ते में खेतों में आग लगी हुई थी। तेज हवा व धूप के कारण आग ने विकराल रूप धारण किया हुआ था, सड़क पर धुआँ ही धुआँ था। उसने सोचा कि धुआँ थोड़ी दूर पर ही होगा और वे बीच के रास्ते से निकल जाएंगे। यह सोचकर शौकीन ने बाइक धुएँ के अंदर प्रवेश करा दी। धुएँ की वजह से शौकीन की बाइक का संतुलन खराब हो गया और वह खड्डे में गिर गई। वहां पर तेज आग होने की वजह से माँ-बेटा बुरी तरह से आग में झुलस गए और जिंदा जल गए। यह तो एक उदाहरण है, न जाने कितने और उदाहरण होंगे, जिनसे हमारे देश का नुकसान हो रहा है। यह देश के हित में नहीं है, इसलिए मैं सरकार से निवेदन करना चाहूंगा और इस प्रकार की घटनाएं, विशेष रूप से आग की घटनाएं न हों, इसके पुख्ता इंतजाम किए जाएं। ऐसा करना देश के हित में होगा। जय हिंद।

Incidents of eve-teasing of students in Haryana

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार): उपसभापति महोदय, बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं जिस विषय को उठाना चाह रही हूं, वह बहुत ही गंभीर विषय है। एक तरफ सरकार "बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ" का नारा दे रही है, और दूसरी तरफ गाँव की जो बेटियाँ स्कूल जा रही हैं, वे स्कूल छोड़ने पर मजबूर हो रही हैं। मैं हरियाणा के रेवाड़ी डिस्ट्रिक्ट के सूमो और कतोपुरी गाँवों की बात करना चाहती हूं। यहाँ लाला गाँव में एक स्कूल है, यहाँ की दो बच्चियाँ उस स्कूल में पढ़ने के लिए जाया करती हैं, लेकिन लाला गाँव के कुछ लड़के उनके साथ छेड़छाड़ करते हैं। जब उन्होंने अपने अभिभावकों से यह बात बताई, तो अभिभावकों ने उनका स्कूल छुड़ा दिया। वहाँ 10 लड़के हैं, लेकिन यह सिर्फ उन लड़कियों

की नहीं, बल्कि उस गांव की जितनी 38 लड़कियाँ हैं, उनकी समस्या है। जो लड़कियाँ लाला गांव के स्कूल जाया करती थीं, गाँव के लोगों ने उनका स्कूल छुड़वाकर एक शिक्षक की नियुक्ति कर दी है, जिससे कि वे बच्चियाँ वहीं पढ़ें, स्कूल नहीं जाएं। इससे पहले भी उस गाँव में इन दोनों गाँवों की लड़कियों के साथ गैंगरेप हुआ था और आज वे लड़के सलाखों के पीछे हैं। उसके बावजूद भी 2012, 2014 में ये घटनाएँ घटी थीं, लेकिन ...**(व्यवधान)**...

डा. चंदन मित्रा (मध्य प्रदेश): सरकार से कहना चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती कहकशां परवीन: मैं हरियाणा की बात बोल रही हूं। ...**(व्यवधान)**... महोदय, मैं यह कहना चाहती हूं कि कल जिस तरह से ...**(व्यवधान)**... मैं यह कहना चाहती हूं कि एक तरफ जिस तरह से सरकार, "बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ" का नारा लगा रही है, दूसरी तरफ गाँव की बेटियाँ स्कूल जाने से रुक रही हैं। जब गाँव में इस तरह के हादसे होते हैं, तो लोग अपनी बेटियों को घरों में रख लेते हैं, लेकिन पढ़ने के लिए नहीं भेजते हैं। मैं उन अभिभावकों को और उस गाँव के लोगों को सलाम करती हूं कि उन्होंने अपनी बेटियों की पढ़ाई रोकी नहीं। मुझे चिंता उस लाला गाँव की है कि वहाँ की लड़कियाँ होंगी, वहाँ की लड़कियाँ भी स्कूल जाया करती होंगी, लेकिन वहाँ की लड़कियों की क्या दुर्दशा होती होगी या उनकी क्या हालत होगी, मुझे इसकी चिंता सता रही है। वहाँ का ज़िला प्रशासन इस ओर कुछ भी ध्यान नहीं दे रहा है, इसलिए मैं सरकार से यह माँग करती हूँ कि अगर वे इस मामले में संजीदा हैं, तो वहाँ एक कमेटी भेजकर इसकी जाँच शुरू कराएँ और बेटियों की जो मुश्किलें हैं, उनको आसान करें। बहुत-बहुत शुक्रिया। ...**(व्यवधान)**...

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

श्री विशम्भर प्रसार निषाद (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

डा. चन्द्रपाल सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

श्री हरिवंश (बिहार): उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

श्री रामचन्द्र प्रसाद सिंह (बिहार): उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार): उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

श्री रणविजय सिंह जूदेव (छत्तीसगढ़): उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Vijay Goel. ...*(Interruptions)*... Shri Vijay Goel. ...*(Interruptions)*... Shri Vijay Goel. ...*(Interruptions)*...

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश): करने के लिए आ रहे थे। ...**(व्यवधान)**... उनको रोका गया ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Vijay Goel. ...*(Interruptions)*... No point of order now. ...*(Interruptions)*... I am not allowing any point of order. ...*(Interruptions)*... Shri Vijay Goel. ... (Interruptions)... Vijay Goelji, you please proceed. ...*(Interruptions)*... Only what Shri Vijay Goel says will go on record. ...*(Interruptions)*... Please do not do that. ...*(Interruptions)*... Vijay Goelji, you please speak. ...*(Interruptions)*... Nothing else will go on record. ...*(Interruptions)*... You speak, Goelji, only that will go on record. ...*(Interruptions)*...

REFERENCE BY MEMBERS — *Contd.*

Re. News item appearing in print media

श्री विजय गोयल (राजस्थान): उपसभापति जी, मैं सबसे पहले सदन को इस बारे में ...**(व्यवधान)**... बोलना चाहता था, लेकिन तीन महीने पहले मेरा फ्रेक्चर हो गया, इसलिए मैं पार्लियामेंट नहीं आ पाया। ...**(व्यवधान)**... मैं यह मामला उठाना चाहता हूं। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I can hear. You speak. ...*(Interruptions)*... Mr. Vijay Goel, you speak. ...*(Interruptions)*... I can hear. ...*(Interruptions)*... I can hear. ...*(Interruptions)*...

श्री विजय गोयल: उपसभापति जी, मैं यह कहना चाहता हूं कि जब मैं सवेरे अखबार खोलता हूं ...**(व्यवधान)**... तो मैं समाचार पत्र में लिखा देखता हूं कि Odd-Even fail हो गया है ...**(व्यवधान)**... क्योंकि इससे कोई प्रदूषण नहीं घटा ...**(व्यवधान)**... और इससे किसी प्रकार से कोई ट्रैफिक कम नहीं हुआ। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What is this? ...*(Interruptions)*... What is your issue? ...*(Interruptions)*... What are you doing? ...*(Interruptions)*... What is this? ...*(Interruptions)*...

श्री विजय गोयल: किन्तु अगले दिन जब मैं समाचार पत्र देखता हूं, तो देखता हूं कि बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा हुआ है कि Odd-Even सफल हो गया है। ...**(व्यवधान)**... मुझे तो यह समझ में नहीं आता है कि एक ही अखबार के अन्दर ...**(व्यवधान)**... एक ही अखबार के अन्दर एक दिन पहले उसको असफल बताया गया है ...**(व्यवधान)**... और दूसरे दिन उसी अखबार में उसको सफल बताया गया है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I can hear. ...*(Interruptions)*... It is going on record. You speak. ...*(Interruptions)*... I can hear. It is going on record. You speak.